## अनुदान संख्या 96 – इस्पात मंत्रालय
## GRANT No. 96 - MINISTRY OF STEEL

| | | | कुल अनुदान Total grant | वास्तविक व्यय Actual expenditure | बचत - Saving - |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | (हजार रुपयों में) (In thousands of rupees) |
| **राजस्वः** | **Revenue:** | | | | |
| स्वीकृत– | Voted- | | | | |
| मूल | Original | 39,25,00 | 43,01,00 | 40,15,06 | -2,85,94 |
| पूरक | Supplementary | 3,76,00 | | | |
| वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि | Amount surrendered during the year | | | | 2,85,48 |

***टीका और टिप्पणियां***

1. अनुदान में, समग्र बचतें (₹285.94 लाख) दिसम्बर, 2021 और मार्च, 2022 में प्राप्त ₹376.00 लाख के पूरक अनुदान का 76 प्रतिशत और कुल स्वीकृत प्रावधान का 7 प्रतिशत थीं।

बचतें निम्नलिखित मुख्य शीर्ष के अंतर्गत हुईः–

***Notes and comments***

1. In the grant, the overall savings (₹285.94 lakhs) constituted 76 percent of the supplementary grant of ₹376.00 lakhs obtained in December, 2021 and March, 2022 and 7 percent of the total sanctioned provision.

Savings occurred under the following major head:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

| शीर्ष | Head | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| मुख्य शीर्ष "3451" | Major Head "3451" | | | | |
| सचिवालय – आर्थिक सेवाएं | Secretariat - Economic Services | | | | |
| मू. | O. | 3278.00 | | | |
| पू. | S. | 375.00 | 3354.04 | 3353.62 | -0.42 |
| पु. | R. | -298.96 | | | |

(I) एक शीर्ष के तहत ₹1.00 लाख का प्रावधान पूर्णतः अप्रयुक्त रहा।

(II) "सचिवालय – इस्पात मंत्रालय" के अंतर्गत ₹3278.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹375.00 लाख के पूरक अनुदान की प्राप्ति द्वारा ₹3653.00 लाख तक बढ़ा दिया गया था, तथापि रिक्त पदों के न भरे जाने, कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण कम दौरे करने और कम स्थापना संबंधी व्यय के कारण उपर्युक्त अनुदान अप्रयुक्त रहा।

(I) Provision of ₹1.00 lakh remained wholly unutilised under one head.

(II) Under "Secretariat - Ministry of Steel" – the original provision of ₹3278.00 lakhs was augmented to ₹3653.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹375.00 lakhs which however, remained unutilized to the extent of ₹299.38 lakhs - due to non-filling up of vacant posts, less tours undertaken and less establishment related expenses owing to COVID-19 pandemic.